न्यूज डायरी

पाकिस्तान ने लश्कर और जैश को जकात देने पर दी चेतावनी

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) लाहौर। इसे एफएटीएफ का दबाव कहें या दिखावे की कार्रवाई, पाकिस्तान के पंजाब प्रांत की सरकार ने रमजान के महीने में लोगों से आतंकवादी संगठन लश्कर–ए–तैयबा और जैश–ए–मोहम्मद को जकात नहीं देने के लिए कहा है। पंजाब सरकार के गृह विभाग ने शनिवार को लोगों से अपील की है कि वे 79 प्रतिबंधित संगठनों और पार्टियों को रमजान के पवित्र महीने में जकात न दें। प्रांतीय अधिकारियों ने प्रतिबंधित संगठनों और दलों के नामों की एक लिस्ट जारी करते हुए कहा कि जो व्यक्ति इन संगठनों को जकात देगा, उनके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। इस लिस्ट में जिन प्रमुख आतंकी संगठनों का नाम है, उनमें जैश–ए–मोहम्मद, लश्कर–ए–तैयबा, लश्कर–ए–झांगवी, अलकायदा जैसे संगठन शामिल हैं।

ओमान की राजकुमारी के नाम पर पाकिस्तान ने फैलाया झूठ, ऐसे खुली पोल

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) मस्कट। कोरोना वायरस के दौर में भी पाकिस्थान का एंटी–इंडिया प्रॉपेगेंडा जारी है। अब उसने ओमान की राजकुमारी का फर्जी सोशल मीडिया अकाउंट बनाकर उल्टे–सीधे पोस्ट किए हैं। यहां तक लिख दिया कि ओमान ने कहा है कि सभी भारतीयो को बाहर निकाल देगा। पैरोडी अकाउंट से किया गया यह ट्वीट इतना वायरल हुआ कि पाकिस्तान के विदेश मंत्री ने इसे सच मानकर बयान दे डाला। इस हरकत के पीछे पाकिस्तान आर्मी का ही दिमाग बताया जाता है। जब पानी सिर से ऊपर चला गया तो खुद ओमान की राजकुमारी मोना बिंत फहद अल सैद को सामने आना पड़ा। उन्होंने बयान जारी कर अपने ऑफिशियल अकाउंट्स के बारे में बताया और कहा कि उस अकाउंट से उनका कोई लेना–देना नहीं है।

यूरोप के बुजुर्गों के सामने नया संकट, बेटे–बेटियों ने मिलना छोड़ा

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) लंदन। ब्रिटेन के ओल्ड एज होम में रहने वालीं 70 साल की एलेन येट्स के लिए यह वक्त मुश्किलों से भरा है। उन्हें फेफड़े, अस्थमा और गठिया जैसी बीमारी है। वह खुद से चलने–फिरने में भी सक्षम नहीं हैं। उनके पति माइकल ब्रिटेन के रॉयल पायनियर कॉर्प्स सोल्जर के सैनिक थे। 2004 में दिल का दौरा पड़ने, फिर ब्रेन हैंब्रेज की वजह से उनका स्वास्थ्य भी खराब ही रहता है। दोनों लोग एक ओल्ड एज होम में दूसरों की मदद के सहारे ही रहते हैं। लेकिन कोरोना वायरस महामारी की वजह से माइकल और उनकी पत्नी एलेन जैसे बुजुर्गों का संकट और बढ़ गया है। दरअसल, कोरोना वायरस की वजह से यूरोप इस महामारी से सबसे अधिक प्रभावित है। यहां देशों ने लोगों के घरों से निकलने पर पाबंदी लगा रखी है। इस कारण इनके बेटे–बेटियां भी इनका हाल जानने नहीं आ पा रहे हैं। एक आंकड़े के अनुसार सिर्फ ब्रिटेन में ही चार लाख से अधिक लोग केयर होम में रहते हैं। यूरोपीय देशों में कोरोना का सबसे बड़ा कहर ओल्ड एज होम पर पड़ा है।

ब्रिटेन में शुरू हुआ वैक्सीन का सबसे बड़ा टायल

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) लंदन। पूरी दुनिया में कोरोना वायरस के कहर के बीच इसकी वैक्सीन को लेकर परीक्षण तेज हो गए हैं। ब्रिटेन की ऑक्ब्सफर्ड यूनिवर्सिटी की वैक्सीन का सबसे बड़ा ट्रायल गुरुवार से शुरू हो चुका है। ब्रिटेन में बेहद अप्रत्याशित तेजी के साथ शुरू होने जा रहे इस परीक्षण पर पूरे विश्व की नजरें टिकी हुई हैं। वैज्ञानिकों का कहना है कि इस वैक्सीन के सफल होने की उम्मीद 80 फीसदी है। ब्रिटेन में 165 अस्पतालों में करीब 5 हजार मरीजों का एक महीने तक और इसी तरह से यूरोप और अमेरिका में सैकड़ों लोगों पर इस वैक्सीन का परीक्षण होगा। ऑक्सफर्ड यूनिवर्सिटी के संक्रामक रोग विभाग के प्रफेसर पीटर हॉर्बी कहते हैं, यह दुनिया का सबसे बड़ा ट्रायल है। प्रफेसर हॉर्बी पहले इबोला की दवा के ट्रायल का नेतृत्व कर चुके हैं।

बांग्लादेशी अस्पताल बोले बिहारी हो? नहीं होगा कोरोना वायरस का इलाज

बिहारी आज भी जिनेवा कैंप में नरक जैसी जिंदगी जी रहे हैं

भेदभाव

■दो अस्पतालों ने बिहारी समुदाय के लोगों के इलाज से किया इनकार

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

ढाका। कोरोना वायरस से जूझ रहे बांग्लादेश में अस्पतालों के अंदर बिहारी लोगों के साथ भेदभाव का मामला सामने आया है। देश में कोरोना के इलाज के लिए बनाए गए दो अस्पतालों ने देश के मलिन बस्तियों में रहने वाले बिहारी समुदाय के लोगों के इलाज से इनकार कर दिया है। आजादी के समय भारत के बिहार राज्य में सांप्रदायिक हिंसा के बाद बांग्लादेश चले गए बिहारी मुस्लिम आज भी जिनेवा कैंप में नरक जैसी जिंदगी जीने को मजबूर हैं।

बिहारी समुदाय के लोग दशकों से सरकारी भेदभाव की शिकायत करते रहे हैं। ये लोग बांग्लादेश की सबसे गंदी मलिन बस्ष्ती में रहते हैं, जहां सरकारी सुविधा के नाम पर कुछ भी नहीं है। बिहारी समुदाय के लिए

काम करने वाले कार्यकर्ता खालिद हुसैन ने कहा कि जिनेवा कैंप में दो लोगों को कोरोना पॉजिटिव पाया गया है। उन्होंने कहा कि जब इन लोगों को सरकारी अस्पतालों ले जाया तो उन्होंने यह कहकर भर्ती करने से मना कर दिया कि हालत ज्यादा खराब नहीं है।

बांग्लादेश में रहते हैं भारत से गए 5 लाख बिहारी: हुसैन ने कहा कि जिनेवा कैंप में रहने वाले एक अन्य व्यक्ति को भी जब कोरोना के इलाज के लिए स्थानीय अस्पताल में ले जाया गया तो वहां भी उन्हें लौटा दिया गया। बता दें कि करीब 5 लाख बिहारी समुदाय के लोग बांग्लादेश की 116 बस्तियों में रहते हैं। बिहारी समुदाय के नेता सदाकत खान फक्कू कहते हैं कि एक अन्य शिविर में भी कोरोना वायरस से पीड़ष्ति मरीज को भर्ती करने से मना कर दिया गया। यह मरीज अब अपने एक कमरे के मकान में रहने को मजबूर है। उधर, इस आरोप पर बांग्लादेश के हेल्थ डिपार्टमेंट की डेप्युटी हेड नसीमा सुल्ताना कहती हैं कि किसी के साथ कोई भेदभाव नहीं किया जा रहा है। उन्होंने कहा, राजधानी ढाका में 1 करोड़ लोग मलिन बस्तियों में रहते हैं। हमारे पास पर्याप्त बेड नहीं है। सुल्ताना ने कहा कि जिन लोगों को कोरोना का बहुत कम लक्षण है, उन्हें अपने घर पर रहकर इलाज करना चाहिए। जिनेवा कैंप में स्थिति इतनी खराब है कि कोरोना के मरीजों को परिवार के साथ ही आइसोलेट किया जा रहा है।

बांग्लादेश में देशव्यापी बंद पांच मई तक बढ़ा: बांग्लादेश में चिकित्सकों और स्वास्थ्यकर्मियों सहित अन्य लोगों के बीच कोविड–19 के संक्रमण का खतरा बढ़ने की चेतावनी के मद्देनजर देशव्यापी बंद को पांच मई तक के लिये बढ़ा दिया गया है। देश में कोरोना वायरस संक्रमण के 414 नये मामले सामने आने के साथ कुल मामले बढ़ कर 4,186 हो गए हैं।

कोरोना मरीजों की बॉडी में जम रहा खून, डॉक्टर भी हैरान

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

न्यूयॉर्क। कोरोना वायरस जुड़ी एक नई खबर ने डॉक्टरों को चिंता में डाल दिया है। यह वायरस अब मरीजों के शरीर के खून को जमा दे रहा है। अमेरिका के न्यूयॉर्क के माउंट सिनाई हॉस्पिटल में नेफ्रोलॉजिस्टों को पता चला है कि वायरस के कारण कोरोना मरीजों के गुर्दे में भी खून जम रहा है। इसकी वजह से दिल का दौरा पड़ने की घटनाओं में वृद्धि हुई है।

माउंट सिनाई हॉस्पिटल के डॉक्टर जे. मोक्को ने बताया कि यह काफी हैरानी की बात है कि कैसे यह बीमारी खून को जमा रही है। उन्होंने कहा कि कई मामलों में ऐसा हुआ है कि दिल का दौरा कम उम्र के लोगों को पड़ा है। मार्च के तीन हफ्तों में ही डॉक्टर मोक्को ने मस्तिष्क में खून ब्लॉकेज के साथ 32 ऐसे मरीजों को देखा है, जिन्हें दिल का दौरा पड़ा है।

हैरानी की बात यह रही कि 32 में से आधे मरीज कोरोना वायरस से पॉजिटिव निकले। उधर, चीन में एक मरीज के ठीक होने के 70 दिन बाद उसे फिर से कोरोना वायरस पॉजिटिव पाया गया है। इससे चीन में चिंता बढ़ गई है। कभी कोरोना के केंद्र रहे वुहान में मामला 50 साल के शख्स का है जिसे कोरोना के लक्षण मिलने पर शुरू में क्वारंटीन हब में रखा गया।

लॉकडाउन हुआ दूसरा वुहान

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) चीन। हर्बिन शहर में कोरोना का मामले बढ़ते जा रहे हैं। हर्बिन के हेल्थ अधकारियों ने बताया है कि यहां कोरोना एक 22 साल की स्टूडेंट से फैला है। वह न्यूयॉर्क से वापस लौटकर आई थी। वह 19 मार्च को न्यूयॉर्क से वापस आई थी। बीच में वह हॉन्ग–कॉन्ग और पेइचिंग में भी रुकी थी। आइसोलेशन के दौरान वह टेस्ट में निगेटिव पाई गई लेकिन अप्रैल में उसमें कोरोना वायरस की ऐंटीबॉडी पाई गईं। अधिकारियों का मानना है कि इस स्टूडेंट से उसके एक पड़ोसी को भी कोरोना इन्फेक्शन हो गया जबकि वह उससे मिली नहीं थी।

दुनिया को दिया दर्द, जिंदगियां खोईं, चुकानी होगी कीमत

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

वॉशिंगटन। कोरोना वायरस को लेकर अमेरिका के विदेश सचिव माइक पॉम्पियो का चीन पर हमला जारी है। ताजा वार करते हुए पॉम्पियो ने आरोप लगाया है कि चीन ने जानकारी दुनिया के साथ शेयर नहीं करके दुनिया को बहुत दर्द दिया है। उन्होंने की चीन की कम्यूनिस्ट पार्टी पर पारदर्शिता नहीं रखने का आरोप भी लगाया। पॉम्पियो ने यह भी कहा है कि चीन की सरकार ने अभी भी कोविड–19 को लेकर बहुत सी बातें नहीं बताई हैं। उन्होंने यह भी किया कि चीन को इसकी कीमत चुकानी पड़ेगी।

चीन, डब्ल्यूएचओ जिम्मेदारी अमेरिका का चीन पर बरसना जारी

निभाने में फेल: पॉम्पियो ने कहा है कि चीन ने दर्द दिया है, लोगों की जिंदगी और जानकारी नहीं शेयर करके अमेरिका के साथ–साथ ग्लोबल इकॉनमी को नुकसान पहुंचाया है। पॉम्पियो ने कहा, मुझे अभी भी चिंता है कि हमें चीजें नहीं पता हैं। हमें इतिहास नहीं पता और हम जमीन पर काम करने के लिए अपनी टीम भी नहीं भेज सकते हैं। पॉम्पियो ने कहा कि यह चुनौती है कि महामारी से निपटने के लिए चीन की कम्यूनिस्ट पार्टी और डब्ल्यूएचओ अपनी जिम्मेदारी निभाने में फेल हो गए हैं।

चुकानी होगी कीमत

पॉम्पियो ने कहा कि चीन ने जो किया है, उसे कीमत चुकानी पड़ेगी। पॉम्पियो ने कहा कि अमेरिका को पता है कि वायरस फैलना वुहान में शुरू हुआ और चीन की सरकार को जो करना चाहिए था, उसने नहीं किया। उन्होंने कहा कि इसकी कीमत भी चुकानी होगी और यह सुनिश्चित करना होगा कि चीन पर मेडिकल प्रॉडक्ट्स के लिए निर्भर नहीं रहना होगा।

पोम्पियो ने यह भी कहा है कि अमेरिका, चीन से नोवेल कोरोना वायरस के वास्तविक नमूने पाने का अब भी प्रयास कर रहा है। पॉम्पियो ने कहा कि चीन ने जो नमूने दिए हैं वह पूर्ण अवस्था में और सही नहीं हैं।

कोरोना वायरस चीनी वैज्ञानिकों के पागलपन भरे प्रयोग का परिणाम

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) मास्को। किलर कोरोना वायरस की मार से बेहाल रूस के एक बहुचर्चित माइक्रोबायोलॉजिस्ट ने दावा किया है कि वुहान के वैज्ञानिक प्रयोगशाला के अंदर पागलपन भरे प्रयोग कर रहे थे। इन्हीं प्रयोगों का परिणाम कोरोना वायरस है। दुनियाभर में चर्चित प्रफेसर पीटर चुमाकोव ने दावा किया कि वुहान में चीनी वैज्ञानिक वायरस की रोग पैदा करने की क्षमता को परख रहे थे और उनका कोई गलत इरादा नहीं था। हालांकि उन्होंने जानबूझकर इस जानलेवा वायरस को जन्म दिया।

मास्को में एक संस्थान के मुख्य शोधकर्ता प्रफेसर चुमकोव ने कहा, चीन के वुहान स्थित प्रयोगशाला में वैज्ञानिक पिछले 10 साल से विभिन्न तरीके के कोरोना वायरस को वध्किसित करने में सक्रिय रूप से लगे हुए थे। संभवतः चीनी वैज्ञानिकों ने ऐसा रोग पैदा करने वाली नस्ब्ल पैदा करने के लिए नहीं बल्कि उनकी रोग पैदा करने की क्षमता को परखने के लिए ऐसा किया। प्रफेसर चुमकोव ने कहा, मेरा मानना है कि चीनी वैज्ञानिकों ने पागलपन भरे प्रयोग किए। अब इन सब का विश्ष्लेषण किया जा रहा है।